प्रतिवेदन

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित कालिंदी कॉलेज **में 'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान'** अभियान के अंतर्गत आयोजित परिचर्चा: **अपने संविधान को जानें**।

डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रायल, भारत सरकार, भारतीय भाषाओं के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित संस्था, हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी एवं कालिंदी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में सोमवार, 29 सितम्बर, 2025 को कालिंदी महाविद्यालय के सभागार में ‘हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान’ अभियान के अंतर्गत ‘अपने संविधान को जानें’ विषय पर एक महत्त्वपूर्ण परिचर्चा का आयोजन किया गया। दीप प्रज्ज्वलित करके तथा अतिथियों के सम्मान के साथ विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में केंद्र सरकार द्वारा वर्ष भर चलने वाले समारोहों की शुरुआत की गई है। इस परिचर्चा का उद्देश्य युवाओं, विशेषकर विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों व शोधार्थियों को संविधान के प्रति जागरूक करना है। दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में संविधान जैसे संवेदनशील विषय पर परिचर्चा और विमर्श को बढ़ावा देने की इस श्रृंखला का प्रथम आयोजन श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में हुआ था। इस श्रृंखला में कालिंदी कॉलेज में यह दूसरा आयोजन हुआ है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप **में श्री आकाश पाटील**, निदेशक, डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, अध्यक्षता के रूप प्रो. मीना चरांदा, प्राचार्या, कालिंदी महाविद्यालय, विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ. श्रीश कुमार पाठक, प्रोफेसर, एमिटी यूनिवर्सिटी और विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री सुधाकर पाठक, अध्यक्ष, हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी मंचासीन थे ।

प्राचार्या प्रो. मीना चरांदा ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि संविधान को सभी को जानना चाहिए, यह केवल राजनीति विषय को पढ़ने वाले छात्रों तक सीमित नहीं रहना चाहिए । हमें अपने लोकतंत्र की गौरवपूर्ण यात्रा और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक होना चाहिए । संविधान के प्रति गर्व तभी संभव है, जब हम इसके प्रति पूर्णतः जागरूक होंगे। संविधान के माध्यम से ही हम अपने अधिकारों को जान और समझ पाएंगे, साथ ही देश के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहेंगे। उन्होंने हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी और डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र की इस महत्वपूर्ण योजना का हार्दिक स्वागत किया, साथ ही इस योजना को अन्य महाविद्यालयों तक के जाने में अपने सहयोग का आश्वासन भी दिया है।

हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी के अध्यक्ष श्री सुधाकर पाठक ने कहा कि जिस तरह भाषा, संस्कृति, संगीत एक व्यक्ति को अच्छा मनुष्य बनाते हैं, उसी तरह संविधान जानने के बाद व्यक्ति एक जिम्मेदार नागरिक बनता है। हमें देश को विकास पथ पर ले जाने के लिए संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक तैयार करने होंगे। संविधान हमारे लोकतांत्रिक ढांचे की आधारशिला है।

डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के निदेशक श्री आकाश पाटील ने संविधान से जुड़े कई महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने संविधान निर्माण की प्रक्रिया, चुनौतियाँ, विभिन्न समितियों के रिपोर्ट और डॉ. अम्बेडकर के योगदान जैसे विषयों पर अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस पर इन सभी महाविद्यालयों के छात्रों और शिक्षकों के साथ एक भव्य आयोजन डॉक्टर अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र के सभागार में आयोजित करने की योजना है। श्री पाटील ने गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर राजपथ पर डॉक्टर अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र द्वारा निर्मित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रायल, भारत सरकार की झांकी की विशेषताओं को एक वीडियो क्लिप के द्वारा समझाया। उनके उद्बोधन से छात्राएं और शिक्षक लाभान्वित हुए।

विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता के रूप में मंचासीन डॉ. श्रीश कुमार पाठक, प्रोफेसर, एमिटी यूनिवर्सिटी ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में स्वतंत्रता से पूर्व की घटनाओं से विषय को जोड़ते हुए और इतिहास के विभिन्न संदर्भ लेते हुए अपनी विशिष्ट शैली में रुचिकर ढंग एवं विस्तार से भारतीय संविधान की विशेषताओं को सामने रखा। डॉ. पाठक के संबोधन की सरल भाषा ने संविधान जैसे जटिल विषय को बहुत सरल ढंग से प्रस्तुत किया|

कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के तीन छात्राओं द्वारा शोधपत्र का वाचन किया गया जिन्हें सहभागिता प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा संविधान पर आधारित एक रुचिकर प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया। अन्य सभी छात्राओं को भी सहभागिता प्रमाण-पत्र भेंट किए गए। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की लगभग 200 छात्राओं, शिक्षकों व अन्य आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति रही।

इस अवसर पर हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी के केंद्रीय कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य श्री विनोद पाराशर की विशेष उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का संयोजन और कुशल संचालन डॉ. मोनिका वर्मा द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीला ने किया। इस सफल आयोजन में समन्वयक के रूप में डॉ. आरती पाठक की विशेष भूमिका रही। इस तरह की परिचर्चा न केवल संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल होगी बल्कि युवाओं को लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों के प्रति गर्व और जिम्मेदारी का भाव जागृत करने में भी महत्त्वपूर्ण रहेगी।

चित्रदीर्घा

डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र
(सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)
हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी
भारत का संविधान
कालिंदी महाविद्यालय
के संयुक्त तत्त्वावधान में
विश्वविद्यालय)
हमारा स्वाभिमान' अभियान के अंतर्गत
अध्यक्षता
प्रो. मीना चरांदा
सोमवार,
110008

हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी
कालिंदी महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
के संयुक्त तत्त्वावधान में 'हमारा संविधान - हमारा स्वाभिमान' अभियान के अंतर्गत
परिचर्चा : अपने संविधान को जानें
Mr. Sudhakar pathak
Mr. Akash patil
Dr. Shrish kumar pathak

Republic Day
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय
MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT
THEME: 'SWARNIM BHARAT: VIRASAT AUR VIKAS'